हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 117 | जौनपुर, सोमवार 22 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

यह क्षण न सिर्फ विजय का ही बल्कि विनम्रता का भी पल – नरेंद्र मोदी

हर मन में राम दिखा आंख में संतोष के आंसू - योगी आदित्यनाथ

राम लला के भव्य व दिव्य मंदिर में विराजमान होते ही राममय हुई राम नगरी समेत समूचा विश्व

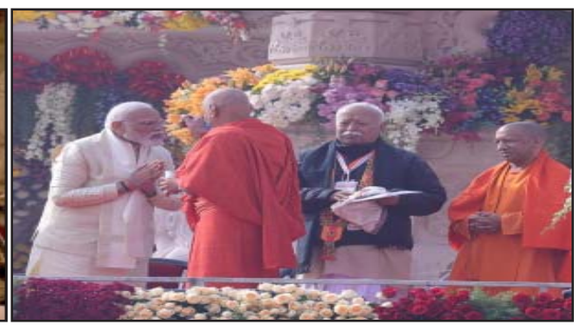

राजेश श्रीवास्तव/डॉ अजय तिवारी

अयोध्या।नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि यही समय है सही समय है।अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रामलला की मूर्ति के अनावरण का पल न केवल विजय का, बल्कि विनम्रता का भी अवसर है।पीएम ने आगे कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद का पल सबसे दिव्य और सबसे पवित्र है। पीएम मोदी ने कहा, ष्यह क्षण दिव्य है, यह क्षण सबसे पवित्र है। यही समय है सही समय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि हर युग के लोगों ने भगवान राम का अनुभव किया है। पिछले 11 दिनों में मुझे अलग–अलग भाषाओं और अलग–अलग राज्यों में रामायण सुनने का अवसर मिला है।पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, ष्विश्व का इतिहास स्वयं इस बात का प्रमाण है कि कई देश अपने ही इतिहास में उलझे हुए हैं। जब देशों ने अपनी समस्याओं को हल करने की कोशिश की तो, उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन जिस तरह से, हमारे देश ने इतिहास की गांठें खोलीं, वह इस बात का प्रमाण है कि हमारा भविष्य हमारे अतीत से भी अधिक सुंदर होने वाला है।पीएम ने कहा, ष्एक समय ऐसा भी था जब कुछ लोग कहा करते थे कि राम मंदिर बन जाएगा तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत की सामाजिक भावना की पवित्रता को नहीं समझ सकते। हम देख रहे हैं कि यह निर्माण किसी अग्नि को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है।श्री अयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे।

रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमःघ्प्रभु श्रीरामलला की जय! सरयू मइया की जय! भारत माता की जय! जय जय श्री सीता रामसे अपना संबोधन शुरु किया।इस मौके पर उन्होंने प्रभु श्रीरामलला के भव्य–दिव्य और नव्य धाम में विराजने की वहां पर मौजूद और लोगों को कोटि–कोटि बधाई दिया।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लबे अंतराल के उपरान्त आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे।मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे।आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर– हर ग्राम अयोध्याधाम है।हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है।हर मन में राम नाम हैं। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम–राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं।आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं।आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी।भाव–विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियाँ व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं,किन्तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा। श्रीरामजन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। उन्होंने कहा कि सन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति–पाँति, विचार– दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया।अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि–कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहाँ बनाने का संकल्प लिया था।संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हृदय से आभार और अभिनंदन करते हुए कहा कि 2014 में आपके श्आगमनश के साथ ही भारतीय जनमानस कह उठा था...

मोरे जियँ भरोस दृढ़ सोई।
मिलिहहिं राम सगुन शुभ होईध

अभी गर्भगृह में वैदिक विधि–विधान से रामलला के बाल विग्रह के प्राण–प्रतिष्ठा के हम सभी साक्षी बने।

उन्होंने कहा कि अलौकिक छवि है हमारे प्रभु की। बिल्कुल वैसे, जैसा संत तुलसीदास जी ने वर्णन किया है...

नवकंज लोचन। कंज मुख। कर कंज। पद कन्जारुणम्।

धन्य है वह शिल्पी, जिसने हमारे मन में बसे राम की छवि को मूर्त रूप प्रदान किया।कहा कि विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य्य स्ध्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि–कोटि नमन करता हूँ।उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि, संपूर्ण भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्र की सामूहिक चेतना जागरण के ध्येय में भी सफल सिद्ध हुआ।सदियों के बाद भारत में हो रहे इस चिरप्रतिक्षित नवविहान को देख अयोध्या समेत भारत का वर्तमान आनन्दित हो उठा है। उन्होंने माना कि भाग्यवान है हमारी पीढ़ी जो इस राम–काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम–काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं।

भारत पूरी दुनिया का विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हो गया है : सर्व मित्र भट्ट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक अंचल कार्यालय गोमती नगर के वरिष्ठ प्रबंधक सर्व मित्र भट्ट ने बताया कि पेपर मिल कॉलोनी लखनऊ मे सुबह से ही सभी परिवार में नई ऊर्जा प्रवाहित हो रही थी। कई दिनों से लोग आस पास के मंदिरों की सफाई के साथ साथ अपने घरों की सफाई मे लगे थे। सभी ने अपने अपने घर को रंगोली और दिये की रोशनी से सजा दिया था। आज प्रातः 9 बजे निशातगंज स्थित आनंद देव मंदिर से भगवान श्री राम जी की शोभा यात्रा की शुरुआत हुई। हजारों लोग इस शोभा यात्रा में शामिल हुए और जगह जगह लोगों ने श्रीराम, माता जानकी , लक्ष्मन और वीर हनुमान जी की आरती उतारी। गली गली मोहल्ले से होते हुए दो किलोमीटर की शोभा यात्रा 12 बजे बंधे के किनारे अपना पार्क में पहुंची, जहाँ सभी ने प्रसाद ग्रहण किया और भंडारे का आनंद उठाया। इस क्षेत्र के पार्षद राजेश सिंह ष्बब्बरष् के देख रेख मे इस शोभा यात्रा का आयोजन किया। चारों दिशा में श्री राम का जयकारा और भगवा पताका लहरा रहा था। हम सभी आज बहुत भाग्यवान हैं हम लोग इस प्रति पल के साक्षी बन रहे हैं और आज अयोध्या मे भगवान श्री राम के विराजमान होते ही देश मे रामराज्य की नींव पड़ गई है। भारत पूरी दुनिया का विश्व गुरु बन गया है।

लखनऊ। केनरा बैंक अंचल कार्यालय गोमती नगर के वरिष्ठ प्रबंधक सर्व मित्र भट्ट ने बताया कि पेपर मिल कॉलोनी लखनऊ मे सुबह से ही सभी परिवार में नई ऊर्जा प्रवाहित हो रही थी। कई दिनों से लोग आस पास के मंदिरों की सफाई के साथ साथ अपने घरों की सफाई मे लगे थे। सभी ने अपने अपने घर को रंगोली और दिये की रोशनी से सजा दिया था। आज प्रातः 9 बजे निशातगंज स्थित आनंद देव मंदिर से भगवान श्री राम जी की शोभा यात्रा की शुरुआत हुई। हजारों लोग इस शोभा यात्रा में शामिल हुए और जगह जगह लोगों ने श्रीराम, माता जानकी , लक्ष्मन और वीर हनुमान जी की आरती उतारी। गली गली मोहल्ले से होते हुए दो किलोमीटर की शोभा यात्रा 12 बजे बंधे के किनारे अपना पार्क में पहुंची, जहाँ सभी ने प्रसाद ग्रहण किया और भंडारे का आनंद उठाया। इस क्षेत्र के पार्षद राजेश सिंह गब्बर के देख रेख मे इस शोभा यात्रा का आयोजन किया। चारों दिशा में श्री राम का जयकारा और भगवा पताका लहरा रहा था। हम सभी आज बहुत भाग्यवान हैं हम लोग इस प्रति पल के साक्षी बन रहे हैं और आज अयोध्या मे भगवान श्री राम के विराजमान होते ही देश मे रामराज्य की नींव पड़ गई है। भारत पूरी दुनिया का विश्व गुरु बन गया है।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर समूची अयोध्या रही छावनी में तब्दील

मीडिया कार्ड धारकों को सुरक्षा कर्मियों ने भेजा वापस

चप्पे-चप्पे पर रही सुरक्षा कर्मियों व खूफिया तंत्र की नजर

अयोध्या।कई सदियों से लोगों का सपना आज उस समय पूरा हुआ जब शुभ मुहूर्त के मुताबिक आज सोमवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों आमंत्रित संत महात्मा व अन्य अतिथियों के मौजूदगी में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य दिव्य व अलौकिक मंदिर में किया। इस क्षण की सिर्फ भारत की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की नजर टिकी हुई थी। इस मौके पर कोई भी किसी प्रकार की बाधा आतंकी संगठनों व अराजक तत्वों द्वारा न उत्पन्न हो इसके लिए कई दिनों से पुलिस के आलाधिकारी सुरक्षा की रणनीति बनाते हुए दिखाई दे रहे थे।जिसकी समीक्षा खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे थे। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त रही।यहां तक कि जिन पत्रकारों के प्रधानमंत्री कार्यक्रम को लेकर सूचना विभाग द्वारा पास जारी हुआ था उन्हें भी सुरक्षा कर्मियों ने अयोध्या के अंदर नहीं जाने दिया।चप्पे–चप्पे पर पुलिस द्वारा बैरियर व बैरिकेडिंग लगाकर यहां तक कि साइकिल से अयोध्या की ओर जाने वाले लोगों को वापस करते हुये दिखाई दे रहे थे। जबकि पैदल उन्हीं लोगों को जाने दिया जा रहा था जो अयोध्या के निवासी हो और उनके पास परिचय पत्र भी हो।अगर देखा जाए तो पुलिस उदया चौराहा, टेढ़ी बाजार, हनुमान गढ़ी, रानोपाली, चूड़ामणि चौराहा, देवकाली बाईपास, लता मंगेशकर चौराहा,राम की पैड़ी, देवकाली तिराहा, साहबगंज, साकेत पुरी सहित अन्य चौराहों पुलिस का सख्त पहरा रहा।लोगों को सुरक्षा कर्मी अयोध्या के अंदर नहीं जाने दे रहे थे। जिससे यही लग रहा था कि आज शहर में अघोषित कर्फ्यू लगा हुआ हो।बताते चलें कि प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर हाई एलर्ट जारी किया गया था। जिसके चलते राम नगरी की सड़कें सूनी दिखाई दे रही थी।वही सुरक्षा की दृष्टि से जहां एक ओर दस हजार सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी वहीं तीन डीआईजी, डीजीपी मुख्यालय से 31 आईपीएस,44 एएसपी,140 सीओ, 208 निरीक्षक,1196 उपनिरीक्षक,5 हजार मुख्य आरक्षी,26 कंपनी पीएसी,7 कंपनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के अलावा एटीएस,एनएसजी, रैपिड एक्शन फोर्स, एनडीआरएफ,सेना के जवान के साथ साथ साथ पर्याप्त संख्या में खूफिया एजेंसी के कर्मी प्रमुख मार्गों,वाच टावर व छतो पर मुस्तैद दिखाई दिखे। वही आसमान से ड्रोन कैमरे व हेलीकॉप्टर से भी निगरानी की जा रही थी।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी ने रामेश्वरम में लगाई आस्था की डुबकी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के दौरे पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वर में एक रोड शो किया है। इस रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया और उन पर फूल बरसाए। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर दो बजे रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री अरुल्मिगु रामनाथस्वामी मंदिर पूजा अर्चना की। इसके बाद वो धनुषकोडी के कोठंडारामस्वामी मंदिर में दर्शन किया। धनुषकोडी के पास ही पीएम मोदी अरिचल मुनाई भी जाएंगे। हिंदू पुराणों की मानें तो इसी जगह से प्रभु श्रीराम की सेना ने राम सेतु का निर्माण शुरू किया था। रामेश्वरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आस्था की डुबकी भी लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में श्री अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना की। प्रधानमंत्री ने यहां समुद्र में पवित्र डुबकी भी लगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामेश्वरम के श्री अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में श्री रामायण पारायणश कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्पादकीय

सस्टेनेबल बिजनेस अपने कर्मचारियों का भी खयाल रखते हैं

सतीश खडसे और प्रदीप भोंसले नए–नए इंजीनियरिंग स्नातक थे। वे महाराष्ट्र के जलगांव स्थित जैन इरिगेशन में नौकरी चाह रहे थे। दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक–पर्यावरणीय समस्याओं को सुलझाने की दिशा में काम करने वाली 51 कंपनियों की वैश्विक सूची में 7वें स्थान पर आने वाली ये एकमात्र भारतीय कंपनी है। वे एक–दो साल में इस कंपनी से बेसिक सीखकर दिल्ली जैसे मेट्रो शहर जाना चाहते थे। शुरुआती दिनों में गेस्ट हाउस में रहते हुए उनका समय दो हजार एकड़ वाले जैन हिल्स में सुबह से शाम तक व्यस्तताओं भरा रहा। उन्हें कपड़े धोने तक का समय नहीं मिला और हफ्ते भर बाद पहनने के लिए अतिरिक्त कपड़े तक नहीं थे। पहले रविवार को उनकी योजना थी कि कपड़े धो लेंगे ताकि अगले हफ्ते सहूलियत हो। वे कपड़े भिगोने ही वाले थे कि गेस्ट हाउस का फोन बजा। फोन करने वाला कोई और नहीं, जैन इरिगेशन के संस्थापक भंवरलाल हीरालाल जैन थे। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में पूछा कि वे रविवार को क्या कर रहे हैं। सतीश ने कहा कि गंदे कपड़ों का ढेर है और हम धोने का सोच रहे हैं। जैन ने ओके कहकर फोन रख दिया। ठीक 30 मिनट बाद गेस्ट हाउस के पास टेंपो आकर रुकी, जिसमें नई वॉशिंग मशीन और वॉशिंग पाउडर भी था। यह वाकिया 2004 के आसपास का है। इस बुधवार को मेरी मुलाकात इन दो कर्मचारियों से हुई, जिन्होंने संस्थापक चेयरमैन बीएच जैन से जुड़े कई किस्से सुनाए, जो कि अच्छे कर्मचारी को साथ रखने पर विशेष ध्यान देते थे। संस्थापक का 2016 में देहांत हो गया लेकिन उनके द्वारा चुने कर्मचारी अभी भी वहां काम करते हैं। मैंने पाया कि जैन इरिगेशन में नौकरी छोड़ने की दर सबसे कम है। दूसरा उदाहरण अभिजीत जोशी का है। जब उन्होंने युवा इंजीनियर के तौर पर नौकरी जॉइन की थी और संस्थापक के केबिन के पास बनी लाइब्रेरी से गुजर रहे थे। उन्होंने देखा कि शेल्फ की सारी किताबें नीचे, जमीन पर बिखरी हैं और संस्थापक देख रहे हैं। उन्होंने वहीं से अभिजीत को आने का इशारा किया और किताबें जमाने में मदद मांगी। अभिजीत को ताज्जुब हुआ कि अगर इंजीनियर को किताबें जमाने के लिए बुलाया जा रहा है तो कंपनी कैसे अच्छा करेगी। अभिजीत ने हिम्मत करके संस्थापक से जवाब मांगा। परेशान हुए बिना उन्होंने शांति से कहा, "मैं अच्छी किताबें और अच्छे लोगों को नहीं खोता।' परोक्ष रूप से उन्होंने संकेत दिया कि वह जितना संभव हो सके नए लोगों को करीब रखकर उन्हें सपोर्ट व प्रेरित करते हैं, भले ही फिजूल चीजें क्यों ना करनी पड़ें। आज अभिजीत को इस कंपनी में 19 साल से ज्यादा हो चुके हैं। भले ही त्यागी अतिन कुमार बाकी कर्मचारियों जितने पुराने नहीं हैं, लेकिन वह भी सतीश, प्रदीप, अभिजीत जैसा ही महसूस करते हैं। बचपन में पिता को खोने के बाद त्यागी ने पिता तुल्य चाचा को भी खो दिया। जब ऑफिस में उन्हें यह दुखद समाचार मिला तो उन्होंने ईमेल लिखा कि क्यों वह तत्काल अपने गृह नगर जाना चाहते हैं। चंद क्षणों में ही जवाब आ गया और त्यागी निकल गए। मेन गेट पर पहुंचते ही एक व्यक्ति त्यागी से आकर मिला और उन्हें 20 हजार रु. थमाते हुए गृह नगर की कंफर्म टिकट सौंपी, और ये उदार रवैया दिखाया था कंपनी के जॉइंट एमडी अजीत जैन का। वह संस्थापक के चार उत्तराधिकारियों में से एक हैं। त्यागी की आंखों में सबसे प्रिय व्यक्ति को खोने के आंसू थे, तो कंपनी की उदारता देखकर खुशी के आंसू भी थे। फंडा यह है कि सस्टेनेबल बिजनेस में लोग न केवल अपने व्यवसाय को सारे मौसम में चलायमान रखने के तरीके ढूंढते हैं, बल्कि दयालुता के मार्ग पर चलकर कर्मचारियों को अपने साथ रखने के तरीके भी ढूंढते हैं।

भारत-निर्माण ही हमारी प्राथमिकता हो

'जब मैं यहां घूम रहा था तो मैंने सोचा कि आज सबसे बड़ा मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारा वह स्थान है, जहां मनुष्य मानव–जाति की भलाई के लिए काम करता है। इस भाखड़ा–नांगल से बढ़कर कौन–सी जगह हो सकती है, जहां हजारों–लाखों लोगों ने काम किया हो, खून–पसीना बहाया हो और अपनी जान भी दी हो? इससे बड़ा और पवित्र स्थान और कहां हो सकता है, जिसे हम उच्चतर मान सकें?' (पं. नेहरू, 8 जुलाई 1954 को नांगल नहर के उद्घाटन पर) 'भाखड़ा नांगल पुनर्जीवित भारत का नया तीर्थ है!' (पं. नेहरू, 22 अक्टूबर 1963 को भाखड़ा बांध के उद्घाटन पर) इन पंक्तियों को पढ़ें। दोबारा पढ़ें। और फिर भारतीय बुनियादी ढांचे की वास्तविकता से रूबरू हों। आज। पूरे साठ साल बाद। चलिए, एक–एक कर इन पर बात करते हैं। सड़कें रू 2023 में, ग्रामीण विकास पर संसदीय समिति ने देरी और खराब गुणवत्ता वाले निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की आलोचना की थी। केंद्र सरकार ने अपनी इस परियोजना के माध्यम से ग्रामीण बस्तियों को स्कूलों, अस्पतालों और कृषि बाजारों से जोड़ने का वादा किया था। लेकिन 50,000 किलोमीटर से अधिक की सड़कें अभी भी पूरी होने का इंतजार कर रही हैं। भारतमाला परियोजना के पहले चरण ने अपने लक्ष्य का केवल 39: पूरा किया है। परियोजना के लिए जो राशि पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है, वह अनुमानित लागत से 58: अधिक है। सुरंगें रू मंजीत लाल उत्तरकाशी की सुरंग में 17 दिनों तक फंसे रहे थे। उनके बड़े भाई को भी 2022 में महाराष्ट्र में एक निर्माण–स्थल पर दुखद दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। मंजीत के पिता– जिनके पास कोई मोबाइल या पैसा नहीं था– ने अपना समय सुरंग के बाहर एक मंदिर के सामने प्रार्थना करते हुए बिताया। उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि जिस कम्पनी पर मुम्बई में समृद्धि एक्सप्रेस–वे पर एक लॉन्चर गिरने से 20 कर्मचारियों की मौत के आरोप लगे थे, उसी कम्पनी को इतनी महत्वपूर्ण परियोजना सौंपी गई थी। फरवरी 2022 में मध्यप्रदेश के स्लीमनाबाद में एक सुरंग के धंसने के बाद वहां के कंस्ट्रक्शन वर्कर गोरेलाल ने अपने सहकर्मी को एक मार्मिक संदेश भेजा रू मां से कहना कि अगले जन्म में भी मैं उसी का बेटा बनकर जन्मूंगा। पुल और फ्लाईओवर रू मोरबी पुल ढहने के बाद उस हादसे से जीवित बचे लोगों की तलाश करते समय बचावकर्मियों को गंदले पानी में एक बच्चे का हाथ मिला, जो एक खिलौने को कसकर पकड़े हुए था। वह खिलौना दो साल के दुरुक का था, जो शायद अपनी पहली पारिवारिक छुट्टियों में से एक पर वहां आया होगा। अक्टूबर 2022 में माचू नदी पर बना पुल ढह गया, जिसमें 50 बच्चों समेत 135 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना– जो गुजरात की सबसे बड़ी नागरिक आपदा थी– बाद में अधिकारियों की घोर लापरवाही का परिणाम पाई गई थी। आठ महीने बाद मिंढोला नदी पर नवनिर्मित पुल का एक हिस्सा ढह गया। प्रारंभिक जांच में दक्षिण गुजरात में कई पुलों का निर्माण करने वाली कम्पनी द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता में गंभीर खामियों की सूचना मिली। अक्टूबर 2023 में, पालनपुर में एक और पुल 'कारीगरी की त्रुटियों' के कारण ढह गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ितों में एक ऑटो रिक्शा चालक भी शामिल था, जो वहां से बच निकलने की कोशिश में मलबे में दब गया था। अगस्त 2022 में, मध्यप्रदेश के धार जिले में 304 करोड़ के कारम बांध को रिसाव और कटाव का सामना करना पड़ा, जिस कारण निचले इलाकों में बसे 18 गांवों को खाली करना पड़ा। निर्माण कंपनी के भाजपा से संबद्ध होने के आरोप लगे। बांध की ई–टेंडरिंग से जुड़े घोटाले की जांच तो पिछले चार साल से चल रही थी। लेकिन ठीक तीन महीने बाद उन्हीं ब्लैक लिस्टेड कम्पनियों को बांध की मरम्मत और रखरखाव का भी ठेका दे दिया गया। रेलवे रू बुलेट ट्रेन कौन नहीं चाहेगा? लेकिन आइए, प्राथमिकताओं के परिप्रेक्ष्य में परखें। 'वैनिटी प्रोजेक्ट' यानी बुलेट ट्रेन के प्रत्येक रूट–किलोमीटर के निर्माण में लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत आती है। जबकि एक डेडिकेटेड फ्रेट–कॉरिडोर– जो किसानों और उपभोक्ताओं के लिए बुनियादी वस्तुओं को लाता–ले जाता है– की निर्माण लागत 23 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर है। रेलवे के खराब बुनियादी ढांचे से लाखों लोगों के जीवन के प्रभावित होने के कई उदाहरण हैं। अकेले साल 2023 में कम से कम 15 बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं। कैग की एक रिपोर्ट बताती है कि 50 प्रतिशत से अधिक अनिवार्य ट्रैक–सेफ्टी निरीक्षण पूरे नहीं किए गए थे।

पांच साल के रामलला की प्रतिमा सामने आई

इस प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में श्रीराम उनको कभी नहीं भूलेंगे, जिन्होंने उन्हें कुछ भी दिया हो। बहुत से लोग होंगे, जो अयोध्या नहीं पहुंच पाएंगे। वो दुखी ना हों, वो भले ही श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा को ना देख पाएं, पर श्रीराम उनको अवश्य देखेंगे। सप्तपुरियों में मोक्षदायिनी, प्रभु श्रीराम की जन्म तथा लीलास्थली होने का गौरव अयोध्या नगरी ने ही पाया है। यह अपने उदार समावेशी चरित्र को व्यक्त करती हुई पौराणिक काल से वर्तमान समय तक मनुष्यता के उच्च आदर्शों को अभिव्यक्त करने के लिए जानी जाती है। श्रीस्कन्दपुराण के अयोध्या माहात्म्य में इसका विशद् वर्णन हुआ है। कहा गया है कि अवन्तिकापुरी श्रीविष्णु का चरण है, द्वारिकापुरी नाभि है, मायापुरी हृदय, मथुरापुरी कण्ठ और अयोध्यापुरी श्रीविष्णु का मस्तक है। अयोध्या की संगीत परम्परा भी बहुत विलक्षण है। अयोध्या में रामोपासना का सबसे महत्त्वपूर्ण, मनोहारी एवं श्रद्धास्पद मंदिर कनक–भवन है। इसका निर्माण ओरछा रियासत की महारानी वृषभानु कुंवरि जूदेवी द्वारा सन् 1885 में कराया गया था। महारानी के पति महाराजा सवाई महेंद्र प्रताप सिंह जूदेव ने इसी तर्ज पर जनकपुर में श्री जानकी मंदिर का निर्माण करवाया था।

यतीन्द्र मिश्र

गोपनीयता रखते – रखते आखघ्रिकार 22 जनवरी से तीन दिन पहले रामलला की प्रतिमा सबके सामने आ ही गई। लोग उसे देखकर भाव विव्हल हो रहे हैं। कुछ के आंसू टपक रहे हैं और कोई प्रफुल्लित हो रहा है। आखघ्रि कोई पाँच सौ साल के संघर्ष का सुखद पटाक्षेप जो हो रहा है। इस राम मंदिर के लिए जाने कितने लोगों ने प्राणों की आहूतियां दीं। जाने कितने लोग कारसेवा या ऐसे ही अलग– अलग आंदोलनों में मारे गए। अनेक लोग जिन्होंने वर्षों राम मंदिर के लिए अथक संघर्ष किया, जिनकी एकमात्र इच्छा यह थी कि राम मंदिर को बनते हुए देखें, वे पहले ही प्राण त्याग चुके जिनमें अशोक सिंघल, आचार्य धर्मेंद्र और ऐसे कई लोग शामिल थे। निश्चित ही अब उनकी आत्मा प्रसन्न हो रही होगी। 22 जनवरी को प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है और 23 जनवरी से पट खुलेंगे। दर्शन भी होंगे। दर्शन की प्रत्याशा में हजारों लोग इन दिनों रोज अयोध्या पहुँच रहे हैं। कोई अखाड़ों में, कोई सरायों में तो कोई सरयू किनारे शरण लिए हुए है। हालाँकि अभी वहाँ इतनी ज्यादा तादाद में लोग पहुँच गए हैं कि उन्हें अब सीमा पर ही रोका जा रहा है। आखघ्रि किसी एक दिन में इतनी भीड़ को सँभाला कैसे जाएगा? यह सुरक्षा कारणों से भी एक अहम प्रश्न बना हुआ है। वैसे हादसों, दुर्घटनाओं से निबटने के पुखघ्ता इंतजाम किए गए हैं और लगातार किए भी जा रहे हैं, लेकिन लोगों से ज्यादा तो सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं किए जा सकते! इसी कारण से लोगों को शहर की सीमा पर रोका जा रहा है। फिर भी जिन्हें रोका जा रहा है उनकी तरफ से भी लगातार शिकायतें आ रही हैं। आखघ्रि क्या किया जा सकता है। इसका फिलहाल तो कोई इलाज नहीं है। जो दर्शनार्थी हैं, उन्हें यह भीड़ खघ्त्म होने की राह देखना चाहिए और लगभग फरवरी माह में ही रामलला के दर्शन के लिए जाना चाहिए। तब ठीक से उन्हें दर्शन भी हो पाएँगे और मंदिर को भी वे अच्छे से देख पाएंगे। श्रीराम कहा करते थे, जिस किसी ने भी मेरी रामलला के रूप में प्राण–प्रतिष्ठा की हो, चाहे मुझे राजा राम के रूप में प्रतिष्ठित किया हो, फिर वो साधारण व्यक्ति ही क्यों ना हो, मैं उसका बहुत सम्मान करता हूं। इसीलिए राम ने रीछ, वानरों का बहुत सम्मान किया। रावण को मारने के बाद राम जब अयोध्या आए तो राजतिलक के पश्चात इन्हें अपना मित्र बनाया और बताया। क्योंकि इन लोगों ने तीन काम बड़े अनूठे किए थे। सेतुबंध किया था। रावण का प्रतिकार किया था। और सीता की खोज की थी। आज भी राम उन लोगों का बहुत मान करेंगे, जो सेतुबंध करेंगे। यानी समाज के दो सिरों को जोड़कर चलेंगे, विघटन नहीं करेंगे। रावण के प्रतिकार का मतलब है अनुचित– दुर्गुणों का विरोध । और शांति–भक्ति और शक्ति की खोज करने वाले लोग श्रीराम को सदैव प्रिय हैं। इस प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में श्रीराम उनको कभी नहीं भूलेंगे, जिन्होंने उन्हें कुछ भी दिया हो। बहुत से लोग होंगे, जो अयोध्या नहीं पहुंच पाएंगे। वो दुखी ना हों, वो भले ही श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा को ना देख पाएं, पर श्रीराम उनको अवश्य देखेंगे। सप्तपुरियों में मोक्षदायिनी, प्रभु श्रीराम की जन्म तथा लीलास्थली होने का गौरव अयोध्या नगरी ने ही पाया है। यह अपने उदार समावेशी चरित्र को व्यक्त करती हुई पौराणिक काल से वर्तमान समय तक मनुष्यता के उच्च आदर्शों को अभिव्यक्त करने के लिए जानी जाती है। श्रीस्कन्दपुराण के अयोध्या माहात्म्य में इसका विशद् वर्णन हुआ है। कहा गया है कि अवन्तिकापुरी श्रीविष्णु का चरण है, द्वारिकापुरी नाभि है, मायापुरी हृदय, मथुरापुरी कण्ठ और अयोध्यापुरी श्रीविष्णु का मस्तक है। अयोध्या की संगीत परम्परा भी बहुत विलक्षण है। अयोध्या में रामोपासना का सबसे महत्त्वपूर्ण, मनोहारी एवं श्रद्धास्पद मंदिर कनक–भवन है। इसका निर्माण ओरछा रियासत की महारानी वृषभानु कुंवरि जूदेवी द्वारा सन् 1885 में कराया गया था। महारानी के पति महाराजा सवाई महेंद्र प्रताप सिंह जूदेव ने इसी तर्ज पर जनकपुर में श्री जानकी मंदिर का निर्माण करवाया था। इस मंदिर की सत्ता एवं मान्यता जानकी जी के इर्द–गिर्द घूमती है। राम की उपासना का शिखर–केंद्र होने के बावजूद कनक–भवन को जानकी जी की उपासना का प्रमुख तीर्थ माना जाता है। अयोध्या के इस प्रमुख मधुरोपासना के केंद्र में विगत एक शताब्दी से पर्वों, उत्सवों, मेलों एवं अन्यान्य अवसरों पर संगीत समारोहों के आयोजन की निराली परम्परा रही है। एक स्तर पर यह कहा जा सकता है कि परम्परागत अर्थों में जन्म, झूला, होरी, कजरी, ब्याह, फूल–बंगला, रथयात्रा, नहान, परिक्रमा तथा मेले आदि के श्रुतिमधुर गीतों का सबसे प्रामाणिक और लोकप्रिय स्थान अयोध्या में यही मंदिर ठहरता है। भारत के तमाम प्रमुख कलाकार जब कभी भी अयोध्या आए हैं, तो उन्होंने राम–जानकी के प्रति अपनी गायन–सेवा या नृत्य–सेवा के लिए कनक–भवन का ही प्रांगण चुना। विगत कई दशकों में अनेक नामचीन एवं अनाम गवैयों, कथिक, रासलीला–नर्तकों एवं वादकों का जमावड़ा यहां होता रहा है। कनक–भवन मंदिर की संस्थापिका महारानी वृषभान कुंवरि जूदेवी के संदर्भ में यह तथ्य उल्लेखनीय है कि वे 'रामप्रिया' नाम से रसिक–भाव में राम–जानकी की भक्ति में पद भी रचती थीं। अयोध्या में रामभक्ति की रसिकोपासना धारा में लक्ष्मण–किला भी एक प्रमुख पीठ के रूप में समादृत है। इसके संदर्भ में यह विचार–प्रवण तथ्य है कि इसे लक्ष्मण जी का निवास स्थान माना जाता है। यह अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें सीताराम के विग्रह के साथ लक्ष्मण कुमार की मनोहारिणी मूर्ति भी राम की तरह विशिष्टता पाती रही है। यह रसिकोपासना का प्रमुख गढ़ होने के साथ–साथ तमाम महत्त्वपूर्ण संतों, आराधकों और भक्तों का उपासना केंद्र भी रहा है। इसे महान योगी तथा संत कवि श्री युगलानन्य शरण जी महाराज ने स्थापित किया था। उनके कुल 95 प्रामाणिक ग्रंथ बताए जाते हैं, जिनमें से 75 आज भी लक्ष्मण किला में संरक्षित हैं। लक्ष्मण किला से संबंधित शाखाएं चित्रकूट, मिथिला एवं जनकपुर आदि स्थानों में भी हैं। युगलानन्य शरण जी के प्रमुख शिष्य जानकीवरशरण जी के दर्शनों के लिए स्वामी विवेकानंद भी पधारे थे। मात्र लक्ष्मण किला में ही नहीं, वरन अन्य रसिकोपासना के प्रमुख केंद्रों एवं अयोध्या के बाहर भी युगलानन्य शरण जी महाराज के पद प्रचलित हैं और अष्टयाम सेवा में प्रयुक्त होते हैं। इस परम्परा में और उत्कर्ष तब आया, जब सन् 1957 से किलाधीश के पद पर आसीन स्व. आचार्य स्वामी श्रीसीताराम शरण जी महाराज ने अपनी पूर्वज–परम्परा के संतों–महंतों के पदों का संकलन करके प्रकाशित करवाया। ये पदावलियां आज भी किला से प्रकाशित और वितरित होती हैं। इनमें 'जन्मोत्सव बधाई पदावली', 'श्री वसंत विहार पदावली', 'श्री झूलन विहार पदावली' तथा 'श्री मैथिली विवाह पदावली' प्रमुख हैं।इस प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में श्रीराम उनको कभी नहीं भूलेंगे, जिन्होंने उन्हें कुछ भी दिया हो। बहुत से लोग होंगे, जो अयोध्या नहीं पहुंच पाएंगे। वो दुखी ना हों, वो भले ही श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा को ना देख पाएं, पर श्रीराम उनको अवश्य देखेंगे। सप्तपुरियों में मोक्षदायिनी, प्रभु श्रीराम की जन्म तथा लीलास्थली होने का गौरव अयोध्या नगरी ने ही पाया है। यह अपने उदार समावेशी चरित्र को व्यक्त करती हुई पौराणिक काल से वर्तमान समय तक मनुष्यता के उच्च आदर्शों को अभिव्यक्त करने के लिए जानी जाती है। श्रीस्कन्दपुराण के अयोध्या माहात्म्य में इसका विशद् वर्णन हुआ है। कहा गया है कि अवन्तिकापुरी श्रीविष्णु का चरण है, द्वारिकापुरी नाभि है, मायापुरी हृदय, मथुरापुरी कण्ठ और अयोध्यापुरी श्रीविष्णु का मस्तक है। अयोध्या की संगीत परम्परा भी बहुत विलक्षण है। अयोध्या में रामोपासना का सबसे महत्त्वपूर्ण, मनोहारी एवं श्रद्धास्पद मंदिर कनक–भवन है। इसका निर्माण ओरछा रियासत की महारानी वृषभानु कुंवरि जूदेवी द्वारा सन् 1885 में कराया गया था। महारानी के पति महाराजा सवाई महेंद्र प्रताप सिंह जूदेव ने इसी तर्ज पर जनकपुर में श्री जानकी मंदिर का निर्माण करवाया था। इस मंदिर की सत्ता एवं मान्यता जानकी जी के इर्द–गिर्द घूमती है। राम की उपासना का शिखर–केंद्र होने के बावजूद कनक–भवन को जानकी जी की उपासना का प्रमुख तीर्थ माना जाता है। अयोध्या के इस प्रमुख मधुरोपासना के केंद्र में विगत एक शताब्दी से पर्वों, उत्सवों, मेलों एवं अन्यान्य अवसरों पर संगीत समारोहों के आयोजन की निराली परम्परा रही है। एक स्तर पर यह कहा जा सकता है कि परम्परागत अर्थों में जन्म, झूला, होरी, कजरी, ब्याह, फूल–बंगला, रथयात्रा, नहान, परिक्रमा तथा मेले आदि के श्रुतिमधुर गीतों का सबसे प्रामाणिक और लोकप्रिय स्थान अयोध्या में यही मंदिर ठहरता है। भारत के तमाम प्रमुख कलाकार जब कभी भी अयोध्या आए हैं, तो उन्होंने राम–जानकी के प्रति अपनी गायन–सेवा या नृत्य–सेवा के लिए कनक–भवन का ही प्रांगण चुना। विगत कई दशकों में अनेक नामचीन एवं अनाम गवैयों, कथिक, रासलीला–नर्तकों एवं वादकों का जमावड़ा यहां होता रहा है। कनक–भवन मंदिर की संस्थापिका महारानी वृषभान कुंवरि जूदेवी के संदर्भ में यह तथ्य उल्लेखनीय है कि वे 'रामप्रिया' नाम से रसिक–भाव में राम–जानकी की भक्ति में पद भी रचती थीं। अयोध्या में रामभक्ति की रसिकोपासना धारा में लक्ष्मण–किला भी एक प्रमुख पीठ के रूप में समादृत है। इसके संदर्भ में यह विचार–प्रवण तथ्य है कि इसे लक्ष्मण जी का निवास स्थान माना जाता है। यह अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें सीताराम के विग्रह के साथ लक्ष्मण कुमार की मनोहारिणी मूर्ति भी राम की तरह विशिष्टता पाती रही है। यह रसिकोपासना का प्रमुख गढ़ होने के साथ–साथ तमाम महत्त्वपूर्ण संतों, आराधकों और भक्तों का उपासना केंद्र भी रहा है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में कांग्रेस आगे

लोकसभा चुनाव की तैयारी हर तरफ चल रही है। कांग्रेस में भी और भाजपा में भी। हालाँकि हाल में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी कांग्रेस ही आगे थी। गहलोत ने बाकायदा घोषणा की थी कि हम चुनाव के तीन महीने पहले कम से कम सौ प्रत्याशी घोषित कर देंगे, लेकिन कर नहीं पाए थे। गहलोत और पायलट खघ्मे में इतनी रस्साकशी चली थी कि प्रत्याशियों की घोषणा में भी कांग्रेस पिछड़ गई थी। अब लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए भी कांग्रेस पहले से ही आगे होने की बात कर रही है। प्रत्याशियों की सूचियाँ हर स्तर पर तैयार की जा रही हैं, लेकिन इससे होगा क्या? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा पूरी तरह भक्ति भाव से ओत प्रोत है। अयोध्या में राम मंदिर की तैयारी चल रही है और गाँव, शहर, कघ्स्बों में जगह– जगह मंदिरों की सफाई की जा रही है। बड़े – बड़े भाजपा नेता हाथ में झाड़ू लिए मंदिरों में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने तो घोषणा कर रखी है कि हमें निमंत्रण मिला है, लेकिन हम अयोध्या जाने से विनम्रता पूर्वक इनकार कर रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रेक्षक कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए ज्यादा संभावनाएँ दिखाई नहीं दे रही हैं। मध्यप्रदेश में लोकसभा की सिर्फ एक सीट कांग्रेस के हाथ में है। उसके लिए सबसे बड़ी मशकघ्कघ्त यही है कि ये एक सीट कैसे बचाई जाए या एक से दो सीट पर किस तरह जाया जाए! राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के लिए कोई छप्पर फटने वाला नहीं है। गुजरात तो कांग्रेस को भूल ही जाना चाहिए। दरअसल, राजनीति की पुरोधा मानी जाने वाली कांग्रेस अब शायद हवा के साथ चलना भूल गई है। उसकी निर्णय क्षमता, उसकी सोच को जाने क्या हो गया है कि वह ज्यादातर मामलों में हवा के विपरीत ही निर्णय करती चली जा रही है। खघ्म ठोककर उसके सामने खड़ी भाजपा के निर्णयों, कदमों से भी कांग्रेस कुछ सीखना नहीं चाहती। हालाँकि, राहुल गांधी अब एक और यात्रा पर निकल चुके हैं। न्याय यात्रा पर। हो सकता है इस यात्रा से ही कुछ निकले। जनाधार, मतदाता, वोट३! ााजपा ने सोशल मीडिया पर ये पोस्टर जारी कर प्.छ.क.प् अलायंस को सनातन विरोधी बताया है। भाजपा ने सोशल मीडिया पर ये पोस्टर जारी कर प्.छ.क.प् अलायंस को सनातन विरोधी बताया है। कुल मिलाकर, अयोध्या और मंदिर की हवा में अब सब कुछ बहने वाला है। लोकसभा चुनाव की संभावनाओं में भाजपा के सिवाय दूर– दूर तक कोई दिखाई नहीं दे रहा है। मार्च महीने में घोषित होने वाले चुनाव हो सकता है, कुछ और जल्दी कर दिए जाएँ। जहां तक विपक्षी गठबंधन का सवाल है, सीटों के बँटवारे को लेकर यहाँ महाभारत हो रहा है। भीतर ही भीतर कोई किसी से सहमत नहीं है। ऊपरी तौर पर एकता दिखाई जा रही है। भाजपा के सामने समूचे विपक्ष का अकेला प्रत्याशी खड़ा करना अब भी टेढ़ी खीर ही है। विपक्ष अगर एक प्रत्याशी को लड़ाने पर सहमत हो जाता है तो परिणाम कुछ और ही होंगे। हो सकता है राजनीति की दशा और दिशा में भी कुछ बदलाव आ जाए। कांग्रेस में भी और भाजपा में भी। हालाँकि हाल में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी कांग्रेस ही आगे थी। गहलोत ने बाकायदा घोषणा की थी कि हम चुनाव के तीन महीने पहले कम से कम सौ प्रत्याशी घोषित कर देंगे, लेकिन कर नहीं पाए थे। गहलोत और पायलट खघ्मे में इतनी रस्साकशी चली थी कि प्रत्याशियों की घोषणा में भी कांग्रेस पिछड़ गई थी। अब लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए भी कांग्रेस पहले से ही आगे होने की बात कर रही है। प्रत्याशियों की सूचियाँ हर स्तर पर तैयार की जा रही हैं, लेकिन इससे होगा क्या? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा पूरी तरह भक्ति भाव से ओत प्रोत है। अयोध्या में राम मंदिर की तैयारी चल रही है और गाँव, शहर, कघ्स्बों में जगह– जगह मंदिरों की सफाई की जा रही है। बड़े – बड़े भाजपा नेता हाथ में झाड़ू लिए मंदिरों में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने तो घोषणा कर रखी है कि हमें निमंत्रण मिला है, लेकिन हम अयोध्या जाने से विनम्रता पूर्वक इनकार कर रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रेक्षक कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए ज्यादा संभावनाएँ दिखाई नहीं दे रही हैं। मध्यप्रदेश में लोकसभा की सिर्फ एक सीट कांग्रेस के हाथ में है। उसके लिए सबसे बड़ी मशकघ्कघ्त यही है कि ये एक सीट कैसे बचाई जाए या एक से दो सीट पर किस तरह जाया जाए! राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के लिए कोई छप्पर फटने वाला नहीं है। गुजरात तो कांग्रेस को भूल ही जाना चाहिए। दरअसल, राजनीति की पुरोधा मानी जाने वाली कांग्रेस अब शायद हवा के साथ चलना भूल गई है।

क्या भव्यता और स्वच्छता को कायम रख पाएंगे हम?

कहीं गिद्ध आ रहे हैं, कहीं वानर दौड़े चले जा रहे हैं कहीं नाग देवता अवतरित हो रहे हैं, तो कहीं सीधे पुष्पक विमान ही देखे जाने के वीडियो और खबरें परोसी जा रही हैं। राम जी के भजन सुनने–सुनाने के साथ काव्य और गद्य रचने की भी प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है। विरोध और विपक्ष के अपने खेल और बयान जारी है। मन श्री राम की सादगी के पाठ याद करता है और सोचता है 2024 तक आते–आते हम क्या हो गए हैं और अपने आराध्य के साथ हम किस सीमा तक जा रहे हैं। लाइक, कमेंट और शेयर की दुहाई अब डराने और भक्ति की परीक्षा लेने पर भी उतर आई है। यहां तक कि प्रतिकृति लाने से ही खुशखबरी मिलने के विज्ञापन भी मार्केट में आ गए हैं।

स्मृति जोशी

श्री राम, जय श्री राम, प्रभु श्री राम.... जाने कितने कितने नाम... हर नाम के साथ मन को मिलती है शांति और आराम....22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्री राम की शुभ प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान होने जा रहा है। करोड़ों–अरबों की लागत से अयोध्या नगरी की काया पलट कर दी गई है। दूर–दूर से लोग चले आ रहे हैं। देश–विदेश के मीडियाकर्मी वहीं डेरा डाले हैं। आम श्रद्धालु जनता से लेकर साधु–संत, नेता–अभिनेता, उद्योगपति, इंजीनियर, वास्तुविद, ज्योतिषाचार्य हर वर्ग से हर उम्र के लोग बस अयोध्या की तरफ ही रुख कर रहे हैं। यह वाकई अद्भुत क्षण है, होना भी चाहिए, लेकिन श्री राम मंदिर के नाम पर एक तरफ मंदिर की प्रतिकृति बेचने की होड़ लगी है। वहीं सोशल मीडिया पर चमत्कार की भरमार है। कहीं गिद्ध आ रहे हैं, कहीं वानर दौड़े चले जा रहे हैं कहीं नाग देवता अवतरित हो रहे हैं, तो कहीं सीधे पुष्पक विमान ही देखे जाने के वीडियो और खबरें परोसी जा रही हैं। राम जी के भजन सुनने–सुनाने के साथ काव्य और गद्य रचने की भी प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है। विरोध और विपक्ष के अपने खेल और बयान जारी है। मन श्री राम की सादगी के पाठ याद करता है और सोचता है 2024 तक आते–आते हम क्या हो गए हैं और अपने आराध्य के साथ हम किस सीमा तक जा रहे हैं। लाइक, कमेंट और शेयर की दुहाई अब डराने और भक्ति की परीक्षा लेने पर भी उतर आई है। यहां तक कि प्रतिकृति लाने से ही खुशखबरी मिलने के विज्ञापन भी मार्केट में आ गए हैं। यकीनन 22 जनवरी का दिन आस्था और भक्ति का विलक्षण संगम है। कुछ साल पहले अयोध्या प्रवास के दौरान सरयू नदी का मीठा छल छल करता जल जब अंजुरी में लिया था तो आंख के आंसू उस जल में मिल गए थे। भक्ति के अतिरेक में हमने भी प्रभु श्री राम और माता सीता के दर्शन उस जल में किए थे। मगर हम फिर भी होश में थे जबकि आज सोशल मीडिया हर परिधि को लांघ रहा है। एक तरफ सजी धजी अयोध्या नगरी और दूसरी तरफ भक्ति से सराबोर लोगों की भीड़ के वीडियो देख कर बार बार सवाल यही आता है कि क्या यह सब यूं ही कायम रह पाएगा। महाकाल लोक की दशा देखने के बाद इस सवाल को और अधिक बल मिला है कि आप सुंदरता तो थोप सकते हैं लेकिन स्वच्छता तो आदत और व्यवहार से लानी होती है। इतने बड़े जनसमुदाय के साथ स्वच्छता और रखरखाव के दायित्वों को बखूबी निभा पाना क्या आसान होगा? क्या वहां के निर्वासित जन का असंतोष न सुनने से वह भीतर ही भीतर पनप तो नहीं रहा होगा। अयोध्या का युवा, अयोध्या का छोटा–बड़ा व्यापारी वर्ग, अयोध्या के संतों के भीतर चल रही उद्विग्नता को अनदेखा करना कहीं भारी तो नहीं पड़ेगा? आम जनता तो मासूम होती है, भोली होती है, डरती भी है और धर्म, आस्था व भक्ति को अपनी परेशानियों से ऊपर रखती है। जब जब खुद के रोटी–रोजगार का प्रश्न उठेगा वह पहले अपनी धरती के गौरव गान को सुनकर देखकर मुग्ध होगी। देश भर के रोमांच और चमत्कार में शामिल हो जाएगी लेकिन कब तक? भीड़ बढ़ेगी तो हर दिन समस्या भी बदलेगी मन तो राममय है, तन भी भगवा है, धन भी आ रहा है पर जो नहीं है वह कैसे भूल जाए। भीड़ में शामिल हो जाए या भीड़ से भाग जाए। अयोध्या के स्थानीय निवासी कहां है? कौन हैं? क्या सोच रहे हैं? कैसे निपट रहे हैं? उन्हें कब सुना जाएगा? उन्हें कौन देखेगा? क्या उनके घर और जमीन के बदले मिला मुआवजा उनके मन को खुश कर पा रहा है? रामराज्य की स्थापना श्शलोकश्श को भूलकर कैसे होगी? श्री राम के जयकारे में शामिल होकर भी कुछ अनचाहे सवाल टकराते हैं। ढेर सारे सवालों के बीच बड़ा सवाल फिर यही कि क्या इस भव्यता और स्वच्छता को लम्बे समय तक कायम रख पाएंगे हम? कहीं गिद्ध आ रहे हैं, कहीं वानर दौड़े चले जा रहे हैं कहीं नाग देवता अवतरित हो रहे हैं, तो कहीं सीधे पुष्पक विमान ही देखे जाने के वीडियो और खबरें परोसी जा रही हैं। राम जी के भजन सुनने–सुनाने के साथ काव्य और गद्य रचने की भी प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है। विरोध और विपक्ष के अपने खेल और बयान जारी है। मन श्री राम की सादगी के पाठ याद करता है और सोचता है 2024 तक आते–आते हम क्या हो गए हैं और अपने आराध्य के साथ हम किस सीमा तक जा रहे हैं। लाइक, कमेंट और शेयर की दुहाई अब डराने और भक्ति की परीक्षा लेने पर भी उतर आई है। यहां तक कि प्रतिकृति लाने से ही खुशखबरी मिलने के विज्ञापन भी मार्केट में आ गए हैं। यकीनन 22 जनवरी का दिन आस्था और भक्ति का विलक्षण संगम है। कुछ साल पहले अयोध्या प्रवास के दौरान सरयू नदी का मीठा छल छल करता जल जब अंजुरी में लिया था तो आंख के आंसू उस जल में मिल गए थे। भक्ति के अतिरेक में हमने भी प्रभु श्री राम और माता सीता के दर्शन उस जल में किए थे। मगर हम फिर भी होश में थे जबकि आज सोशल मीडिया हर परिधि को लांघ रहा है। एक तरफ सजी धजी अयोध्या नगरी और दूसरी तरफ भक्ति से सराबोर लोगों की भीड़ के वीडियो देख कर बार बार सवाल यही आता है कि क्या यह सब यूं ही कायम रह पाएगा। महाकाल लोक की दशा देखने के बाद इस सवाल को और अधिक बल मिला है कि आप सुंदरता तो थोप सकते हैं लेकिन स्वच्छता तो आदत और व्यवहार से लानी होती है। इतने बड़े जनसमुदाय के साथ स्वच्छता और रखरखाव के दायित्वों को बखूबी निभा पाना क्या आसान होगा? क्या वहां के निर्वासित जन का असंतोष न सुनने से वह भीतर ही भीतर पनप तो नहीं रहा होगा। अयोध्या का युवा, अयोध्या का छोटा–बड़ा व्यापारी वर्ग, अयोध्या के संतों के भीतर चल रही उद्विग्नता को अनदेखा करना कहीं भारी तो नहीं पड़ेगा? आम जनता तो मासूम होती है, भोली होती है, डरती भी है और धर्म, आस्था व भक्ति को अपनी परेशानियों से ऊपर रखती है।

विभिन्न क्षेत्रों से तमाम हस्तियां अयोध्या पहुंचकर इस एतिहासिक पल के बने साक्षी

अयोध्या।श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए देश के कोने–कोने से अपने अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि वाले अनेक विशिष्ट लोगों के पहुंचने की सूचना श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और प्रशासन को प्राप्त हुई हैं।इसमें खेल, विज्ञान, कला, उद्योग जगत समेत विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियां हैं।इसमें पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रतिभा पाटिल, पूर्व उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू, पूर्व स्पीकर मीरा कुमार, सुमित्रा महाजन, उद्योग जगत से मुकेश–नीता अंबानी, लक्ष्मी निवास मित्तल, चिरंजीवी, अक्षय कुमार,नसली वाडिया, गौतम अडानी, अजय पीरामल, अनिल अग्रवाल, रेखा झुनझुनवाला, आदि गोदरेज, एलएनटी के चेयरमैन ए.एम नाइक सुधा मूर्ति, सुनील मित्तल, खेल जगत से सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, के शिवन, रविन्द्र जडेजा, पी.टी.ऊषा, सुनील गावस्कर, सायना नेहवाल, विज्ञान क्षेत्र से के कस्तूरीरंगन, मेट्रोमैन ई.श्रीधरन, शिक्षाविद टी.वी. मोहनदास पई कला क्षेत्र से अमिताभ व अभिषेक बच्चन, रजनीकांत, हेमा मालिनी, आशा भोंसले, उषा मंगेशकर, अरुण गोविल, प्रसून जोशी, शंकर महादेवन, सुभाष घई, अनुराधा पौडवाल, सैन्य सेवा से मनोज मुकुंद नरवणे, एस पद्मनाभन, राम मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत भाई सोमपुरा, न्याय जगत से डी.वाई चंद्रचूड़ शरद अरविंद बोबड़े, यू.आर.ललित, महेश जेठमलानी, तुषार मेहता, अरुण पुरी, रामलला के पक्ष में अदालत में वकालत करने वाले अधिवक्ता, रविशंकर प्रसाद, रणबीर कपूर,आलध्यिा भट्ट,माधुरी दीक्षित, अमध्तिाभ बच्च्चन, अभिषेक बच्चन सहित अन्य क्षेत्रों से बड़ी बड़ी हस्तियां शामिल रही।

मौलागंज के शिवालय में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने देखा

हरदोई। आज अयोध्या में प्रभु श्री राम के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा के दृष्टिगत शाहाबाद कस्बे के मोहल्ला मौलगंज के पौराणिक शिव मंदिर में अयोध्या में हो रही प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेलीकास्ट देखा गया। शिव मंदिर में सुबह से ही राम भक्तों का जमावड़ा लग गया भक्तों ने विधिवत एलईडी स्क्रीन लगाकर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देखा तदोपरांत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भक्ति भावना से परिपूर्ण उद्बोधन सुना।

शिव मंदिर में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के दर्शन किए व प्रसाद ग्रहण किया देर शाम तक चले भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

समाजसेवी इंद्रमणि तिवारी ने अपने सभी साथियों के साथ पिंजरे में कैद पंछियों को आजाद करते हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व ब्लाक प्रमुख रोली गुप्ता ने महिलाओं के साथ सुंदरकांड का पाठ किया

इस अवसर पर भाजपा नेता नवनीत गुप्ता वरिष्ठ नेता रामसनेही मिश्रा एडवोकेट , भाजपा जिला महामंत्री सतेंद्र राजपूत ,छोटे लाल अवस्थी , अमित मिश्रा , मुकेश अवस्थी ,अजय ओम तिवारी ,दीपू अवस्थी, वरिष्ठ समाज सेवी ज्ञान चंद्र गुप्ता , राजेश देवल , राजकुमार सक्सेना , रिंटू देवल,जितेंद्र सिंह, अभिजीत सिंह , पारुल गुप्ता सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा जिला हुआ राममय मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया गया

जगह जगह भजन कीर्तन रामायण व सुंदरकांड हनुमान चालीसा का किया जा रहा पाठ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अयोध्या में भगवान राम लाल की मूर्ति के विराजमान होने की खुशी में जहां पूरा विश्व देश प्रदेश साक्षी बना और लोगों में हर्षोल्लास का माहौल रहा लोगों ने विभिन्न तरीकों से अपने आराध्य देव भगवान राम के आगमन की तैयारी की और जमकर पूजा पाठ भी मंदिरों में किया गया नगर सहित ग्रामीण अंचल क्षेत्र में भी विभिन्न मंदिरों में भगवान राम लाल की प्रधान प्रतिष्ठा के अवसर पर भजन कीर्तन हवन पूजन रामायण सुंदरकांड हनुमान चालीसा वह विभिन्न तरह के आयोजन किए गए मंदिरों को झालरों से फूलों से वह विभिन्न आकर्षक कलाकृतियां द्वारा दुल्हन की तरह सजाया गया है लोगों ने भगवान राम की शोभायात्रा निकल कर जगह–जगह मंदिरों में हनुमान जी को दर्शन करते हुए उनके प्रति अटूट श्रद्धा का परिचय दिया है जगह–जगह युवाओं द्वारा जय श्री राम के नारे और तमाम राम भक्ति गीत पर भी लोग जमकर थिरके और भगवान को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विभिन्न सामाजिक संगठनों सहित सरकारी तंत्र द्वारा भी तमाम हनुमान मंदिर शिवालयों राम जानकी मंदिरों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय कलाकारों सहित अन्य जनपदों से आए कलाकारों ने भी बढ़कर का हिस्सा लेते हुए भगवान राम की जीवन लीलाओं का जीवित चित्रण प्रस्तुत किया झांकियां से लगता है ताकि मानो भगवान श्री राम अयोध्या से सीधे यही उतर कर रहे हैं।

राम का चरित्र हमें दिखता है सही मार्ग-प्रो. वंदना सिंह

श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन कार्यक्रम को लेकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भी सोमवार उत्सव की तरह मनाया गया। अयोध्या में हो रहे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण की व्यवस्था कर शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं को दिखाया गया। विद्यार्थियों में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह दिखा,भक्ति गीतों पर सभी जमकर झूमें ।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि श्री राम का आदर्श चरित्र हमें जीवन जीने का सही मार्ग दिखाता है। उनका धर्म, कर्तव्य और सामर्थ्य से भरा संदेश आज भी सभी को मार्गदर्शन करता है। भगवान राम ने हर रूप में एक आदर्श प्रस्तुत किया है।

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए बहुत गौरवशाली दिन है भगवान राम ने सदैव लोक हित में कार्य किया है। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हम अवध क्षेत्र के वासी हैं। विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। परिसर की आवासीय परिवार की महिलाओं एवं छात्राओं द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। परिसर वासियों के सहयोग से भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर दीप जलाए गए। विश्वविद्यालय परिसर भवन में विशेष साफ–सफाई कराई गई तो वहीं परिसर में लाइटिंग, झालर आदि लगाने का भी प्रबंध किया गया है।

इस अवसर पर प्रो. बीबी तिवारी,प्रो बीडी शर्मा, प्रो.अजय द्विवेदी,प्रो. देव राज,प्रो प्रदीप कुमार, प्रो नुपुर तिवारी, एआर दीपक कुमार सिंह,डॉ. राज कुमार,डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ .मनीष प्रताप सिंह, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया,डॉ. शशिकांत, कपिल त्यागी, सुबोध पांडेय,राजनारायण सिंह, जगदम्बा मिश्र समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं भारी संख्या में मौजूद रहे।

तीन ब्लॉकों में मिले आवास के लिए 159 बंजारा समुदाय के परिवार

हरदोई (संवाददाता)। जरुरतमंद बेघर बंजारा समुदाय के परिवारों की तलाश पूरी कर ली गई है। तीन ब्लॉकों में आवास के लिए पात्रता की श्रेणी में 159 परिवारों को चिह्नित किया गया है। बीडीओ की ओर से सत्यापन के बाद प्राप्त कराई गई सूची के आधार पर नोडल अधिकारी ने शासन को मांग पत्र भेज दिया है। इन परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में आवास दिए जाने की कार्ययोजना है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में कुष्ठ पीड़ित, नट और दिव्यांगजन परिवारों को आवास दिए जाने के बाद बंजारा समुदाय (अन्य पिछड़ा वर्ग) के परिवारों को आवास दिए जाने की कार्ययोजना बनाई गई है। आवास योजना के नोडल अधिकारी जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक गजेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि बीडीओ की ओर से आवास की पात्रता शर्तों के अनुसार बंजारा समुदाय के परिवारों को चिह्नित कराया गया। बताया कि 19 विकास खंडों में से तीन विकास खंड टड़ियावां,।

कार्यक्रम से जगमगाया हरदोई, अलग-अलग स्थानों पर भव्य दीपोत्सव

पांच सदी के संघर्ष के बाद प्रभु श्रीराम २२ जनवरी को अयोध्या में अपने मंदिर में विराजमान होंगे

हरदोई (संवाददाता)। पांच सदी के संघर्ष के बाद प्रभु श्रीराम 22 जनवरी को अयोध्या में अपने मंदिर में विराजमान होंगे। राम सबमे हैं और राम सबके हैं...की भावना के साथ हरदोई जनपद के अलग–अलग छह स्थानों पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। दीपोत्सव के दौरान लोगों ने जयश्रीराम के नारे लगाए। गंगा किनारे का राजघाट हो या फिर पौराणिक हत्याहरण तीर्थ, संडीला का शीतलामाता मंदिर सरोवर हो या फिर शाहाबाद का नर्मदा ताल। हर जगह दीये जगमगा रहे थे और श्रद्धालु यह एहसास कराने की कोशिश कर रहे थे कि प्रभुराम की अगवानी में पहले से ही दीप जलाकर उजाला कर दिया है। कोथावां विकास खंड के हत्याहरण तीर्थ पर 2100 दीये जलाए गए। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने यहां दीपोत्सव का शुभारंभ पूजन और दीप जलाकर किया। एक साथ बड़ी संख्या में दीये जलने से अद्भुत छटा बिखरी। इस दौरान भाजपा नेता अरविंद शुक्ला, बेनीगंज कोतवाल उमाकांत दीपक, प्रधान कपिल सिंह, राम प्रताप, रिंकू सिंह, गणेश मिश्रा, सोनू राठौर, निर्मल सिंह, आशुतोष सिंह आदि मौजूद रहे। संडीला में शीतला माता मंदिर सरोवर में दीपोत्सव मनाया गया। राम दरबार की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित हुए और फिर 11 हजार दीप जलाकर सरोवरको जगमग किया गया। यहां 51 किलो हलुवे का प्रसाद भी वितरित किया गया। इस दौरान विधायक अलका सिंह अर्कवंशी, पूर्व ब्लाक प्रमुख कुंवर वीरेंद्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम बाबा, सुनीता राठौर, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमित गुप्ता, डॉ. विभा सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष महेंद्र सोनी, अतुल तिवारी, आलोक अस्थाना, रमन जायसवाल आदि मौजूद रहे। संडीला शैक्षिक एवं विकास समिति का विशेष योगदान रहा। शाहाबाद में नर्मदेश्वर सरोवर और टेढ़ेश्वरनाथ मंदिर परिसर में दीपोत्सव आयोजित किया गया। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर, स्वामी प्रमोदानंद गिरि और कात्यायनी शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर स्वामी आत्मानंद गिरि ने मंत्रोच्चार के बीच दीये जलाकर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। एक साथ कई हजार दीये जलने से पूरा परिसर जगमगा उठा। इस दौरान डा. मुरारीलाल गुप्ता, चंद शुक्ला, अनुराग श्रीवास्तव, प्रभाकर वाजपेयी, सतीश राठौर, अनुज अवस्थी आदि मौजूद रहे। यहां भजन संध्या भी हुई। संजय मिश्रा, ध्रुव नारायण मिश्रा, बिंदल मिश्रा और कार्तिक बांगा ने भजन सुनाकर लोगों को भाव विभोर कर दिया। पिहानी के धोबिया आश्रम में आयोजित दीपोत्सव में माता भगवती देवी ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी प्रियंक दीक्षित और आश्रम के महंत स्वामी नारायणनंद महाराज ने रामलखन सविता, अरविंद राठौर और विपुल मिश्रा के साथ मंत्रोच्चारण कर दीप प्रज्ज्वलित कराए।

सीता की नगरी के कोने-कोने में छलक रहा उल्लास

सीतापुर (संवाददाता)। सीता की नगरी इन दिनों राममय हो चुकी है। यहां कोने–कोने में उल्लास है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को अयोध्या में होनी है, लेकिन उनके स्वागत को लेकर जिले में भारी उल्लास है। शहर से लेकर कस्बों तक में मनमोहक सजावट की गई है। हर कोई राम की भक्ति में डूबा है। जगह–जगह कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारियां हैं। शहर में हर ओर प्रभु श्रीराम के नाम की गूंज सुनाई दे रही है। राम मंदिर बने व जय श्रीराम लिखे भगवा झंडों से शहर सजाया गया है। दो दिवसीय रामोत्सव के लिए सरोजनी वाटिका की भव्य सजावट की गई है। आंख अस्पताल से सरोजनी वाटिका जाने वाले मार्ग की सजावट हर किसी का मन मोह रही है। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी ने बताया कि सरोजनी वाटिका में रामोत्सव का शुभारंभ 21 जनवरी को दोपहर 12 बजे होगा।

SKD अकैडमी, वृन्दावन में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह के पावन उपलक्ष्य पर, "ज्ञक अकैडमी, वृन्दावन में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समूह के चेयरमैन श्री एस के डी सिंह, निदेशक श्री मनीष सिंह, और शिक्षक–शिक्षिकाओं समेत लगभग १५०० राम भक्तों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर, परिसर में बड़ी एल ई डी स्क्रीन के माध्यम से अयोध्या में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। गर्भगृह में प्रभु राम के आगमन के साथ ही पूरा परिसर राम नाम के जयघोष से गूंज उठा। उपस्थित जन समूह को आशीर्वाद देते हुए संस्थान के चेयरमैन श्री एस के डी सिंह ने कहा कि यह हम सभी के जीवन की सबसे बड़ी खुशी का पल है। यह हम लोगों का सौभाग्य है कि हम अयोध्या में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बन रहे हैं।

अपने संबोधन में, संस्थान के निदेशक श्री मनीष सिंह ने कहा कि यह सिर्फ मंदिर में राम की प्राण प्रतिष्ठा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति के गौरव की पुनः प्रतिष्ठा है। उन्होंने आगे कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि राम सीता के बिना अधूरे हैं। राम के त्याग और आदर्श हम सभी को जीवन की सही दिशा देते हैं।

कार्यक्रम का समापन प्रभु श्रीराम की आरती, प्रसाद वितरण और भण्डारे से हुआ। इस अवसर पर, संस्थान की डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती निशा सिंह, असिस्टेंट डायरेक्टर श्रीमती कुसुम बत्रा, असिस्टेंट डायरेक्टर श्री डी के सिंह, कॉलेज के सम्मानित शिक्षक गण समेत बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व को धूमधाम से मनाया

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की स्थापना श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे प्रदेश में राम कथा के साथ–साथ जगह– जगह भंडारे का आयोजन किया गया। भक्तों ने भंडारों में पहुँच कर हलुआ व पूड़ी के साथ राम नाम का परसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में ददरौल क्षेत्र के लगभग गांवों में भगवान श्रीराम के भक्तों ने जगह जगह भंडारे का आयोजन किया। ग्राम चांदापुर के हिमांशु श्रीवास्तव ने अपने आवास के समीप मंदिर पर भजन कीर्तन व विशाल भंडारे का आयोजन किया साथ ही सैकड़ों श्रीराम भक्तों ने हिमांशू श्रीवास्तव की अगुआई में ग्राम चांदापुर से ग्राम भरगवां तक जय श्रीराम के जयकारों के साथ विशाल रैली निकाली। भरगवां में राकेश शर्मा ने अपने आवास के समीप मुख्य मार्ग पर भंडारे का आयोजन किया। साहबगंज में बाबा जी की मढ़ी पर प्रधान परमवीर के सौजन्य से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में कन्याओं व अन्य भक्तों ने पहुंचकर परसाद ग्रहण किया।इसी के साथ ग्राम सभा इटौरा में रोहित सिंह उर्फ सोनू ने अपने पेट्रोल पंप पर राम कथा व विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने पहुंचकर रामकथा का श्रवण कर परसाद ग्रहण किया। ग्राम खिरियाहीर में राधेश्याम बाबा के मंदिर पर लोगों के सहयोग से एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।इस राम नाम के भंडारे में काफी संख्या में लोगों ने पहुँच कर प्रसाद ग्रहण कर श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाया।

पिहानी पुलिस व वॉलिंटियर्स ने 200 कंबल व 150 स्वेटर बाटे, बुजुर्गों के खिले चेहरे

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मनसा अनुकूल कस्बे व ग्रामीण इलाके के 200 असहाय व गरीब लोगों को कम्बल व 150 स्वेटर पिहानी पुलिस व वॉलिंटियर्स ने घर–घर जाकर बांटे। हूटर लगती पुलिस की गाड़ी अपने दरवाजे पर देख, बुजुर्गों में खुशी के आंसू आ गए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मदास सिद्धार्थ से वृद्ध दयाराम ने कहा कि जुग जुग जियो मेरे लाल, आज तक कोई भी सहायता देने दरवाजे पर नहीं आया। उप निरीक्षक अरविंद कुमार ,हेड कांस्टेबल पवन सिंह ,राजेंद्र यादव, जितेंद्र कुमार महिला कांस्टेबल सपना गरीबों को स्वेटर का कंबल बांटे । कोतवाल धर्मदास सिद्धार्थ ने कस्बे के निकट कर्बला के पास वृद्ध महिला को आटा चावल ,दाल, शक्कर, तेल व अन्य खाद्य सामग्री के साथ आर्थिक रूप से भी मदद की। इस वृद्ध महिला के न तो बेटे हैं न लड़कियां और न ही खेती और न घर। सड़क किनारे झोपड़ी डालकर गुजारा कर रही है।

अभी कुछ दिन पहले इसके एकलौता पुत्र की मौत एक्सीडेंट में हो चुकी है । पुलिस ने बस स्टैंड पर भी असहाय है वगरीब लोगों को कंबल वितरित कर मानवीय चेहरा प्रस्तुत किया है।पुलिस के अमानवीय चेहरों के तो कई मामले आपने देखे होंगे, लेकिन पिहानी में पुलिस की जिंदादिली दिखी। जिसमें पुलिस गरीब और बेसहारा लोगों के लिए मददगार बन कर सामने आई है।हाड़ कंपा देने वाली सर्दी का सामना कर रहे पटरियों पर रह रहे गरीबों को पुलिस ने कंबल बांटकर अपनी जिंदादिली का परिचय दिया। खास बात यह है कि पुलिस ने ये कंबल वॉलिंटियर्स व के सहयोग से वितरित किए हैं।जो भी पालीथीन या फटे पुराने गुदड़े में लिपटा सोता हुआ दिखा पुलिस ने उसे कंबल से ढक दिया। पुलिस का कहना है कि लोगों को गरीबों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर वॉलिंटियर्स व समाजसेवी जोगराज सिंह, सुधीर गुप्ता, सिमोर पूर्व प्रधान कासिम, शैलेंद्र, राजू सरदार,आदि लोग मौजूद रहे।

गोरखपुर से दिल्ली की एक उड़ान हो रही प्रभावित

गोरखपुर (संवाददाता)। हर दिन दोपहर में दिल्ली जाने वाली स्पाइसजेट की एक फ्लाइट पूरे महीने कभी खराब मौसम तो कभी तकनीकी कारणों से प्रभावित रही है। अब चर्चा है कि एक फ्लाइट अयोध्या शिफ्ट हो सकती है। हालांकि, एयरपोर्ट अफसर या स्पाइसजेट की तरफ से अभी इस पर कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं बताया जा रहा है, लेकिन टूट ऑपरेटर्स लोगों को अन्य फ्लाइट में टिकट बुक करने की सलाह दे रहे हैं। गोरखपुर से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद आदि शहरों के लिए फ्लाइट सेवा उपलब्ध है। सबसे अधिक चार उड़ान दिल्ली के लिए है। इसमें स्पाइसजेट के अलावा इंडिगो और एलाएंस एयर कंपनी की फ्लाइट शामिल है। स्पाइसजेट की फ्लाइट दिसंबर के अंतिम सप्ताह से ही प्रभावित चल रही है। कभी खराब मौसम के चलते फ्लाइट लेट आती है तो कभी अन्य तकनीकी कारणों से दिक्कत आती है। अब चर्चा है कि यहां की एक फ्लाइट को एक फरवरी से दिल्ली–अयोध्या के बीच चलाने का निर्णय लिया गया है।

36वीं राज्य ताइक्वांडो चौम्पियनशिप ट्रॉफी लखनऊ टीम ने 20 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य के साथ जीती

दूसरा स्थान औरैया ने और तीसरा स्थान गोंडा ने हासिल किया।

पूम्से प्रतियोगिता में लखनऊ ने पहला और बाराबंकी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

36वीं उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चौम्पियनशिप सफलतापूर्वक U-P ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी। श्री पवन सिंह चौहान, एमएलसी अंतिम दिन के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और कर्नल संजीव कौल और श्री शंभूनाथ, उप प्रधानाचार्य केंद्रीय विद्यालय अलीगंज, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

तकनीकी अध्यक्ष– ग्रैंड मास्टर पीटर जगतियानी, राष्ट्रीय खिलाड़ी–मनोज वर्मा, राजेश कुमार सिंह, मनोज कुमार शर्मा, सुश्री संयोगिता सिंह चौहान और प्रचार विंग– के अध्यक्ष ग्रैंडमास्टर गौरव सिंह चौहान भी चौंपियनशिप के दौरान उपस्थित थे।

एम एल सी श्री पवन सिंह चौहान और ग्रैंड मास्टर जिम्मी जगतियानी ने सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये।

एमएलसी श्री पवन सिंह चौहान ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए उन्हें संबोधित किया और उन्हें युद्ध कला के रूप में और आत्मरक्षा के लिए भी ताइक्वांडो के महत्व के बारे में बताया, लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए इसे सीखना और ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेना और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ना आवश्यक है।

डॉ. ग्रैंड मास्टर जिमी जगतियानी ने बताया कि इस राज्य चौंपियनशिप के स्वर्ण और रजत पदक विजेता 2024 की आगामी राष्ट्रीय चौंपियनशिप में U-P- राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आलू कई विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत है: डॉ दीपक मिश्रा

हरदोई।(अंबरीष कुमार सक्सेना), कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दीपक मिश्रा ने बताया कि आलू कई विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत है।

आलू फ्लेवोनोइड्स, कैरोटीनॉयड और फेनोलिक एसिड जैसे यौगिकों से भरपूर होते हैं,ये यौगिक मुक्त कणों के रूप में ज्ञात संभावित हानिकारक अणुओं को निष्क्रिय करके शरीर में एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं। जब मुक्त कण जमा हो जाते हैं, तो वे हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसी पुरानी बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं।

आलू एक अच्छा है,एंटीऑक्सिडेंट का स्रोत, जो पुरानी बीमारियों के खतरे को कम कर सकता है हृदय रोग, मधुमेह और कुछ कैंसर।

आलू में होते हैं प्रतिरोधी स्टार्च, जो इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने में मदद कर सकता है। बदले में, यह हो सकता है,रक्त शर्करा नियंत्रण को बेहतर बनाने में मदद करें।

आलू में मौजूद प्रतिरोधी स्टार्च पाचन स्वास्थ्य में भी सुधार कर सकता है।

जब प्रतिरोधी स्टार्च बड़ी आंत में पहुंचता है, तो यह लाभकारी आंत बैक्टीरिया के लिए भोजन बन जाता है। ये बैक्टीरिया इसे पचाते हैं और शॉर्ट–चेन फैटी एसिड में बदल देते हैं।

अध्ययनों से पता चला है कि ब्यूटायरेट बृहदान्त्र में सूजन को कम कर सकता है, बृहदान्त्र की सुरक्षा को मजबूत कर सकता है और कोलोरेक्टल कैंसर के खतरे को कम कर सकता है।

प्रतिरोधी स्टार्च,आलू लाभकारी आंत बैक्टीरिया के लिए पोषण का एक स्रोत है। वे इसे परिवर्तित कर देते हैं

ग्लूटेन–मुक्त आहार दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय आहारों में से एक है। इसमें ग्लूटेन को खत्म करना शामिल है, जो कि वर्तनी, गेहूं, जौ और राई जैसे अनाज में पाए जाने वाले प्रोटीन का एक परिवार है।अधिकांश लोगों को ग्लूटेन के सेवन से प्रतिकूल लक्षणों का अनुभव नहीं होता है।हालाँकि, सीलिएक रोग या गैर–सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता वाले लोग ग्लूटेन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते समय गंभीर असुविधा का अनुभव कर सकते हैं। लक्षणों में तेज पेट दर्द, दस्त, कब्ज, सूजन और त्वचा पर चकत्ते शामिल हैं,

यदि आप ग्लूटेन–मुक्त आहार का पालन करते हैं, तो आपको अपने आहार में आलू को शामिल करने पर विचार करना चाहिए। वे स्वाभाविक रूप से ग्लूटेन–मुक्त हैं, जिसका अर्थ है कि वे असुविधाजनक लक्षण उत्पन्न नहीं करेंगे।जबकि आलू ग्लूटेन–मुक्त होते हैं, कई सामान्य आलू व्यंजन ग्लूटेन–मुक्त नहीं होते हैं। कुछ आलू के व्यंजन जिनमें ग्लूटेन होता है उनमें कुछ ऑ ग्रैटिन व्यंजन और आलू की ब्रेड शामिल हैं।

यदि आपको सीलिएक रोग या गैर–सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता है, तो आलू का व्यंजन खाने से पहले सामग्री की पूरी सूची अवश्य पढ़ें।

आलू प्राकृतिक रूप से होते हैं

ग्लूटेन–मुक्त, जो उन्हें सीलिएक वाले लोगों के लिए एक उत्कृष्ट भोजन विकल्प बनाता है,रोग या गैर–सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता पौष्टिक होने के अलावा, आलू अविश्वसनीय रूप से पेट भरने वाला भी होता है।

अध्ययनों से यह पता चला है

आलू सबसे अधिक पेट भरने वाले खाद्य पदार्थों में से एक है।

आलू को कई तरह से तैयार किया जा सकता है, जिसमें उबला हुआ, बेक किया हुआ और भाप में पकाया हुआ शामिल है। हालाँकि, यदि आप बहुत अधिक तेल का उपयोग करते हैं तो आलू को तलने से उनकी कैलोरी सामग्री नाटकीय रूप से बढ़ सकती है।

जन्म भूमि आंदोलन में गोरक्ष पीठ ने निभाई प्रमुख भूमिका : विजय मिश्र

विश्व हिन्दू महासंघ ने निकाली विशाल शोभायात्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। अयोध्या में भगवान श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के लोकार्पण एवं पकरभच श्री राम के विगकरह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को पूर्वान्ह गोरक्ष मंदिर से सम्बद्ध विश्व हिंदू महासंघ ने जिलाध्यक्ष विजय कुमार मिश्र के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। उतरौला रोड पर मुंजहा बाबा ऋषि आश्रम से पूर्वान्ह मे निकली शोभायात्रा में शामिल हजारों युवक युवतियों ने जय श्रीराम का जयघोष करते हुए नेहरु स्टेडियम, विवेकानंद कालेज व जय गुरुदेव आश्रम, बभनी कानूनगो, इंदिरा नगर कालोनी, मनकापुर बस स्टाप, यशमय स्कूल और पालीटेक्निक कालेज सहित पांच किमी भ्रमण किया। शोभायात्रा का दर्जनों स्थानों पर महिलाओं व बुजुर्गों ने स्वागत किया।

मुंजहा आश्रम में राम भक्तों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री विजय मिश्र ने कहा कि राम जन्म भूमि मंदिर के मुक्ति आंदोलन में गोरक्ष पीठ के तीन पीढियों में वर्तमान पीठाधीश्वर व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके गुरु अवैद्यनाथ व योगी दिग्विजय नाथ की प्रमुख भूमिका रही है। जन्म भूमि आंदोलन के अग्रणी नेता अशोक सिंघल रामचंद्र परमहंस महंत नृत्य गोपाल दास सहित सभी नेताओं ने महंत अवैद्यनाथ से विचार विमर्श कर आंदोलन को आगे बढाया जिसके फलस्वरूप आज का ऐतिहासिक दिवस हमें देखने को मिला। वरिष्ठ भाजपा नेता के के श्रीवास्तव ने भी सभा को सम्बोधित करते हुए युवाओं से सामाजिक सौहार्द बढ़ाने का आह्वान किया।

शोभायात्रा का संयोजन अखिलेश उर्फ संत मिश्र, हर्ष कुमार, कृष्ण मुरारी, कुंअर सिंह, रवि पाण्डेय, रवि कुमार मिश्र, रमा शंकर शुक्ल, भूपेश कौशल, जे पी मिश्र , रंजीत पाण्डेय व अमित शुक्ल ने किया।

अयोध्या भव्य राम मंदिर श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह पावन पर्व को धूम-धाम से मनायें- अरविंद कुमार राय

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना पाली के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने अपनी धर्मपत्नी व बच्चों के साथ सोमवार को अयोध्या ६ ाम में आयोजित प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व पर पाली थाना परिसर में स्थित भगवान के मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिये सभी अपने–अपने घरों में एक दीप अवश्य जलायें साथ ही इस पावन पर्व को दीपावली पर्व की तरह मनाकर भगवान श्री राम की कृपा के पात्र बनकर उनके आशीर्वाद से अभिसिंचित हों। आपको विदित हो कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम जन्म भूमि परिसर में बने भव्य मन्दिर में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के अन्तर्गत पाली थाना प्रभारी निरीक्षक ने अतिरिक्त पुलिस इंस्पेक्टर वहीद अहमद सहित पाली थाने परिसर में स्थित मन्दिर में विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद रामायण का पाठ किया और उन्होंने कहा कि आज वह गौरवपूर्ण समय आ गया है जब 500 वर्षों के अथक परिश्रम संघर्ष,समर्पण, त्याग और बलिदान के फलस्वरूप भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हो रहे हैं। साथ ही साथ उन तमाम ज्ञात व अज्ञात वीरों को नमन करता हूँ जिनके संकल्प से आज यह दिन भारत वर्ष के लिए एक गौरव का दिन बन गया है। उन्होंने अयोध्या भव्य राम मंदिर में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व पर समस्त क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस मौके पर पाली थाने के समस्त पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीसिद्धनाथ मन्दिर नादान महल रोड पर 10 कुन्तल बूंदी का प्रसाद वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। व्यापारी नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी अमरनाथ मिश्र ने बताया कि प्रभु श्रीराम मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव में प्रातः 11 बजे से 10 कुन्तल बूंदी का प्रसाद वितरण श्रीसिद्धनाथ मन्दिर नादान महल रोड पर किया गया, इसके साथ 550 जरूरतमंदों को कम्बल दिये जायेंगे।

दोपहर 2 बजे से रामोत्सव पद यात्रा राम भक्तों ने जय श्रीराम के नारे के साथ नाचते गाते ठोल, नगाड़ा, तासा, डमरू के साथ बर्तन बाजार चौराहे से विसातखाना, रेडीमेड, लोहा बाजार, किराना बाजार, राम मन्दिर सुभाष मार्ग होते हुए रकाबगंज पुल नादान महल रोड होते हुए बर्तन बाजार चौराहे पर समाप्त होगी। जिसका जगह जगह भव्य स्वागत किया गया और अतिशबाजी छोड़ी गयी।

सायं 6 बजे श्रीसिद्धनाथ मन्दिर में 11सौ दीपों से दीपोत्सव मनाया गया इसके साथ ही यहियागंज क्षेत्र के सभी मन्दिरों में दीपोत्सव किया गया, तत्पश्चात् 4जगह बर्तन बाजार चौराहा, श्रीसिद्धनाथ मन्दिर नादान महल रोड, श्रीराम मन्दिर, सुभाष मार्ग एवं रकाबगंज पुल पर भव्य अतिशबाजी की गयी।

मिश्र जी ने यह भी बताया कि बाजार में कल दिनांक 22 जनवरी, को विहारी जी मन्दिर बर्तन बाजार, पंचमुखी हनुमान मन्दिर नादान महल रोड, राम मन्दिर सुभाष मार्ग, रथ वाला मन्दिर नेहरूक्रास, हनुमान मन्दिर में सुन्दर काण्ड के पाठ होंगे।

रामोत्सव में मुख्य रूप से बनवारी लाल कंछल हरीश चन्द्र अग्रवाल अमरनाथ मिश्र महेश प्रसाद गुप्ता नीरज गुप्ता, नरेश कुमार, संजय अग्रवाल विनय गुप्ता कुश मिश्र समीर जैन, रोहित गुप्ता, देवेन्द्र गुप्ता, सोनू जायसवाल, गोपाल बाजपेई, हर्षित जायसवाल, सोनू, विभू, वैभव जैन, जितेन्द्र सुमानी, शिवम गुप्ता, श्रेयांश जैन, दिवाकर बाजपेई, के साथ सैकड़ो संख्या में राम भक्त सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : परिणय सूत्र में बंधे 537 जोड़े

केंद्रीय राज्य मंत्री संग कई जनप्रतिनिधियों और अफसरों ने जोड़ों को आशीर्वाद दिया

सीतापुर (संवाददाता)। जिले के तीन स्थानों पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए पांडाल सजाया गया। यहां 537 बेटियों का विवाह ६ ूमधाम से कराया गया। इनमें से 16 बेटियों का निकाह भी हुआ। केंद्रीय राज्य मंत्री संग कई जनप्रतिनिधियों और अफसरों ने जोड़ों को आशीर्वाद दिया। बेटियों को उपयोगी सामग्री देकर विदा किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री ने नव दंपती को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। महोली के कृषक इंटर कॉलेज मैदान पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को 188 बेटियों का विवाह कराया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार की देखरेख में पिसावां ब्लॉक के 94 जोड़े, महोली ब्लॉक के 90 जोड़े व नगर पंचायत क्षेत्र के चार जोड़ों का विवाह हुआ। सांसद रेखा अरुण वर्मा व विधायक शशांक त्रिवेदी ने सभी जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद और उपहार दिए। एसडीएम अभिनव यादव, बीडीओ महोली प्रतीक सिंह, बीडीओ पिसावां प्रीति तिवारी आदि मौजूद रहे। सिधौली कस्बे के पड़ाव मैदान पर विवाह समारोह में अग्नि को साक्षी मानकर जोड़ों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक रस्में अदा की। समारोह में सिधौली ब्लाक के 68 जोड़ों, कसमंडा के 78 जोड़ों व नगर पंचायत सिध ौली के चार जोड़ों ने वैवाहिक सूत्र में बंधकर एक दूसरे का हाथ थामा। सात निकाह भी हुए। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री व सांसद कौशल किशोर ने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए चलाई गई मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से हजारों गरीब कन्याओं का विवाह कराया जा रहा है। उन्होंने नव दंपती को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। विधायक मनीष रावत ने नव दंपतियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष गंगाराम राजपूत आदि मौजूद रहे। गायत्री चेतना केंद्र बिसवां खुर्द में सामूहिक विवाह के लिए सजे मंडप में 199 बेटियों का विवाह कराया गया। छह निकाह भी हुए। ब्लॉक बेहटा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी जोड़ों को विवाह उपयोगी सामग्री दी गई। सांसद राजेश वर्मा, निवर्तमान विधायक सुनील वर्मा, ब्लॉक प्रमुख कल्पना वर्मा सहित तमाम लोगों ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद दिया। महोली ब्लॉक के हरदासपुर निवासी धर्मेंद्र भूमिहीन हैं। उनके चार बेटियां हैं। बड़ी बेटी रागिनी की शादी रिश्तेदारों के सहयोग से कर दी थी। दूसरी बेटी मोहिनी के हाथ पीले करना काफी दिक्कतों भरा था। रिश्ता तो तलाश कर लिया था। लेकिन वैवाहिक खर्चा वहन करने की स्थिति नहीं थी। उन्होंने बताया कि प्रधान ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की जानकारी दी। रामकोट इलाके के 26 वर्षीय राममोहन के साथ शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बेटी की शादी की है। जिसमें सरकार की तरफ से दान–दहेज भी मिला है।

राम मंदिर का मॉडल बनाने के लिए दो दोस्तों ने लगाई मशीन, बेच चुके हैं 1400 मॉडल, पांच लोगों को दी नौकरी

गोरखपुर (संवाददाता)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से उभरती हुई बाजार में दो दोस्तों ने नई संभावना देखी और श्रीराम मंदिर का थ्रीडी और टू डी मॉडल बनाने का निर्णय किया। उन्होंने 10.50 लाख रुपये की सीओ–2 लेजर कटिंग मशीन खरीद ली और काम शुरू किया। यह सोच इतनी सार्थक साबित हुई कि उन्होंने अपनी आय बढ़ाने के साथ ही पांच अन्य युवाओं को रोजगार दे दिया है। दो माह में 1400 से अधिक मॉडल बेच चुके हैं, जबकि उनके लिए मांग के अनुसार आपूर्ति कर पाना अब संभव नहीं है। शहर के शास्त्री चौक के पास फोटो और एल्बम फ्रेमिंग की दुकान चलाने वाले अभिषेक पांडेय ने बताया कि श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अवसर आया तो उन्होंने अनुमान लगाया कि मंदिर के मॉडल की खूब बिक्री होगी। इस कारण उन्होंने अपने कार्य के तरीके में कुछ बदलाव करने का निर्णय किया। उन्होंने अपने दोस्त विकास श्रीवास्तव के साथ नया कार्य शुरू किया। उन्होंने कटिंग मशीन खरीदी और एमडीएफ शीट से कटिंग करके मॉडल बनाना शुरू किया। इसमें चीड़ की हल्की लकड़ी होती है, जो आसानी से कट जाती है। उन्होंने बताया कि दो माह में 1400 मॉडल बेच चुके हैं, जबकि गोरखपुर के साथ ही आसपास के जिलों से इतनी मांग आ रही है कि पर्याप्त संख्या में मॉडल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। पांच कारीगरों सहित सात लोग इस कार्य में लगे हैं। कटिंग मशीन के माध्यम से बारीकी से कार्य किया जाता है, जिसमें एक मॉडल बनाने में दो से ढाई घंटे लगते हैं।

श्रीराम मंदिर के मॉडल के साथ गुरु गोरक्षनाथ एवं काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर के मॉडल भी बनाए जा रहे हैं। विभिन्न आकार के मॉडल की कीमत अलग अलग है। थ्रीडी मॉडल 2,500 से 10,000 रुपये और टू डी मॉडल 550 से 1800 रुपये में बिक रहे हैं। विकास श्रीवास्तव ने बताया कि माहौल को देखते हुए उन्होंने मंदिर के थ्रीडी मॉडल बनाने की योजना बनाई। इस मशीन का उपयोग कस्टमाइज गिफ्ट, दूल्हे–दुल्हन का कटआउट सहित अन्य कार्यों में होता था, जबकि इस दौर में इसका सबसे अधिक उपयोग मंदिर मॉडल बनाने में किया जा रहा है। जहां भी ध्वज सहित अन्य सामान बिक रहे हैं, वहां अयोध्या के मंदिर का मॉडल खरीदने वाले पहुंच रहे हैं।

हर कोई मंदिर का मॉडल अपने घर में लगाना चाह रहे हैं। आज के दौर में यह सबसे महत्वपूर्ण उपहार बन गया है। दो माह में 1400 से अधिक मॉडल बेच चुके हैं, जबकि उनके लिए मांग के अनुसार आपूर्ति कर पाना अब संभव नहीं है।

शाहाबाद में 2.75 करोड़ रुपये से बनेगा रोडवेज बस अड्डा

हरदोई (संवाददाता)। शाहाबाद कस्बे में रोडवेज बस अड्डे के निर्माण कराने के लिए शासन ने दो करोड़ 74 लाख आठ हजार रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके सापेक्ष एक करोड़ रुपये भी अवमुक्त कर दिए हैं। बस अड्डा बन जाने से बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिलेगी। शाहाबाद में तहसील मुख्यालय के साथ ही नगर पालिका और ब्लाक मुख्यालय भी है। कस्बा होने के कारण यहां से हर रोज बड़ी संख्या में लोग गैर जनपदों के लिए आवागमन करते हैं। हरदोई और शाहजहांपुर के साथ ही बरेली और फर्रुखाबाद का सफर भी लोग करते हैं। शाहाबाद में बस अड्डा नहीं है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।